सक्सेस मिरर

वर्ष : 8
अंक : 85
फरवरी : 2017

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

8 | अहंकार रहित परोपकार
10 | समसामयिकी घटना संग्रह
11 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

19 | आर्थिक घटना संग्रह

- रेल मंत्री सुरेश प्रभु ने हमसफर एक्सप्रेस ट्रेन का शुभारम्भ किया
- केन्द्र सरकार ने डिजिटल लेन–देन के प्रोत्साहन हेतु इनामों की घोषणा की
- फोर्ब्स सूची में दुनिया के 9वें सबसे ताकतवर व्यक्ति नरेन्द्र मोदी
- गुजरात का अकोदरा देश का पहला डिजिटल गाँव बना

23 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- केन्द्र सरकार ने पेमेंट ऑफ वेजेस अध्यादेश को मंजूरी प्रदान की
- सिनेमा घरों में फिल्म से पहले राष्ट्रगान बजाना अनिवार्य
- पहली बार हाजी अली दरगाह में महिलाओं ने प्रवेश किया

27 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- भारत–इण्डोनेशिया ने खेलों में सहयोग सहित तीन समझौतों पर हस्ताक्षर किए
- वेनेजुएला के राष्ट्रपति ने 100 बोलिवर के नोट को तत्काल प्रभाव से बन्द किया
- भारत बनेगा अमरीका का प्रमुख रक्षा साझेदार

31 | खेल खिलाड़ी

- गुजरात में बनेगा विश्व का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम
- भारतीय महिला टीम ने पाकिस्तान को हराकर एशिया कप जीता
- भारत ने इंगलैण्ड को हराकर 4–0 से सीरीज जीती

- विजेंदर सिंह ने फ्रांसिस चेका को हराकर खिताब बरकरार रखा
- भारत ने बेल्जियम को हराकर जूनियर हॉकी विश्व कप खिताब जीता

35 | विज्ञान समाचार
37 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

41 | **शैक्षिक लेख**–शिक्षा के क्षेत्र में सरकार की नई पहल
42 | **ई-मण्डी लेख**–ई-मण्डी : किसानों को देशव्यापी बाजार से जोड़ने की कवायद
44 | **परमाणु ऊर्जा लेख**–एनएसजी के लिए भारत की दावेदारी
45 | **तकनीकी लेख**–बायोनिक्स
95 | **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**
96 | **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-82 का परिणाम**
97 | **समसामयिक घटनाएं**
106 | **रोजगार अवसर**

हल प्रश्न-पत्र

63 रेलवे भर्ती बोर्ड (एन.टी.पी.सी.) परीक्षा, 2016
71 मध्य प्रदेश पुलिस आरक्षक (जी.डी.) परीक्षा, 2016
80 एस.एस.सी. संयुक्त हायर सेकण्डरी लेवल (10+2) परीक्षा, 2015

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

➲ **सम्पादक** : महेन्द्र जैन
➲ **रजिस्टर्ड ऑफिस** : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2
➲ **सम्पादकीय ऑफिस**
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन– 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स– (0562) 4053330
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयर: care@pdgroup.in

➲ **दिल्ली ऑफिस**
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन– 011-23251844/66

➲ **पटना ऑफिस**
पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना– 800 004
फोन– 0612-2673340
मो– 09334137572

➲ **कोलकाता ऑफिस**
28, चौधरी लेन, श्याम बाजार
कोलकाता– 700 004
फोन– 033-25551510
मो– 07439359515

➲ **हल्द्वानी ऑफिस**
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला–नैनीताल– 263 139
(उत्तराखण्ड)
मो– 07060421008

➲ **हैदराबाद ऑफिस**
1-8-1/B, आर. आर. कॉम्प्लेक्स
बाग लिंगमपल्ली, हैदराबाद–500 044
फोन– 040-66753330
मो– 09391487283

➲ **इन्दौर**
63-64, कैलाश मार्ग,
ग्राउण्ड फ्लोर,
श्रीजी एवेन्यू, मलहारगंज,
इन्दौर– 452 002 (म.प्र.)
फोन– 9203908088

➲ **लखनऊ ऑफिस**
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइया,
लखनऊ– 226 004
फोन– 0522-4109080
मो– 09760181118

➲ **नागपुर ऑफिस**
1461, जूनी शुक्रवारी,
सक्करदरा रोड, हनुमान
मन्दिर के सामने,
नागपुर–440 009 (महाराष्ट्र)
फोन– 0712-6564222
मो– 09370877776

वृक्ष कबहुँ नह फल भखैं, नदी न संचै नीर।
परमारथ के कारने साधुन धरा शरीर।।
—सन्त कबीरदास

जब एक इंसान की सम्पूर्ण योग्यता कुछ इस भाँति फलीत होने लग जाए कि वह इंसान अपनी योग्यताओं से अधिकतम लोगों को लाभान्वित कर सके और स्वयं अपनी योग्यताओं के प्रति भी निर्लोभी हो सके तभी वह इंसान सच्चा सफल इंसान कहलाता है, यानि दो शर्तें हुईं. प्रथम, यह कि हमारी योग्यताएं अधिकाधिक लोगों तक लाभ पहुँचाने वाली हों और; द्वितीय, हम अपनी योग्यताओं के प्रति भी निर्लोभी हो जाएं. 'सफल' फल सहित हो जाना.

एक वृक्ष फल सहित कब होता है. जब वह अपनी उत्कृष्ट परिणति तक पहुँच जाता है. एक बीज पूर्ण विकसित अवस्था में फल देने वाला वृक्ष बन पाता है और जब वह वृक्ष फल देता है तब उसके फल से उसको स्वयं को लाभ नहीं, बल्कि अन्यों को लाभ पहुँचता है, किसी के लिए वह फल स्वतः पूर्ति का साधन होता है. किसी के लिए वह फल पुष्टि का साधन होता है, पोषण का साधन होता है, किसी के लिए वह फल औषधि का साधन होता है, तो किसी के लिए वही फल और अनेक वृक्षों को जन्म देने वाले बीजों का स्रोत बन जाता है और वह अपने बीजों के माध्यम से अनेक अन्य वृक्षों को पैदा करने की क्षमता रखता हुआ इस पृथ्वी पर अनेक फलों को पैदा करने वाला बन जाता है. साथ ही दूसरी शर्त के अनुसार वह फल वाला वृक्ष अपने फलों को स्वयं नहीं खाता, दूसरों को देता है. अपने फलों को निष्पक्ष भाव से, निर्लोभी भाव से, आनन्द भाव से अपने से जुदा हो जाने देता है.

कितने आश्चर्य की बात है वह अपनी योग्यताओं का भी अपने लिए कोई ऐसा स्वार्थपूर्ण उपयोग नहीं करता कि जिससे वह फल दुनिया के काम न आकर स्वयं के काम आए. वह अपने फल को दूसरों को खाने देता है, ले जाने देता है, बल्कि स्वयं ही अपने से अलग कर देता है क्यों ? ठीक ऐसे ही सफल व्यक्ति अपनी योग्यताओं को फैलने देता है. जो यह जिस प्रकार से उपयोग में लेना चाहे लेने देता है. वह अपनी योग्यताओं के प्रति भी निर्लोभी, निस्काम, निर्मोह बनने की क्षमता रखता है और ये क्षमता ही उसे सफल बनाती है. हम अपनी जिन्दगी में उस स्तर तक सफल हो पाएं या नहीं हो पाएं, जैसे एक वृक्ष फल फलीभूत होने पर देता है. हम सफल हो सकते हैं वशर्ते कि हमारी योग्यताओं का चरम विकास हो. उत्कृष्ट परिणति तक हमारी योग्यताएं पहुँचे और दूसरी बात हम अपनी योग्यताओं को अधिकतम लोगों तक पहुँचाते हुए, अपने योग्यताओं के प्रति भी अहंकार भाव मुक्त हो जाएं. अहम् से मुक्त हो जाएं ये मेरी है. इस भाव से भी मुक्त हो जाएं. ये मेरी क्षमता है, ये मेरी उपलब्धि है, यह मेरी योजना है, ऐसा मेरी वजह से हुआ, इस भाव को भी जब कोई व्यक्ति तिरोहित कर चुका होता है. इस भाव से भी जब कोई व्यक्ति मुक्त हो चुका होता है. तभी वह व्यक्ति सही अर्थों में सफल होता है.